'हमारा नजरिया तय करता है कि हममें आगे बढ़ने की कितनी संभावनाएं हैं'

रायपुर ◆ जो चीजें दिखाई देती हैं, वे नहीं दिखाई देने वाली चीजों से कम वेल्युबल होती हैं। इसलिए हमेशा आगे की सोचें। किसी भी बात को गहराई और अलग-अलग एंगल से सोचें।

हमेशा अपने नजरिए को बड़ा रखें। क्योंकि आपका नजरिया ही तरक्की के उंचे आयाम तय करता है। संभावनाओं के द्वार खोलता है। यह कहना है भारत एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड के सीईओ और निदेशक विकास शर्मा। वे आईआईएम में आयोजित ओरिएंटेशन प्रोग्राम में बतौर चीफ गेस्ट स्टूडेंट्स से मुखातिब थे। आईआईएम में शुक्रवार को आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम के पहले दिन प्रबंधन में परिवारातकोत्तर कार्यक्रम की 10वीं बैच और प्रबंधन में फैलो कार्यक्रम की 8वीं बैच और प्रबंधन में कार्यकारिणी फैलो कार्यक्रम की 6वीं बैच का स्वागत किया गया। छात्रों को नई आशाओं और दृढ़ संकल्पों से भरी नई यात्रा पर के लिए प्रोत्साहित किया। छात्रों को शिक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ बातचीत करने का अवसर मिला, जिससे प्राप्त होने वाली शिक्षा

निश्चित रूप से हमेशा उनके साथ रहेगी। प्रो. भारत भास्कर, निदेशक आईआईएम ने आने वाले बैचों का स्वागत किया। छात्रों को उनके जुनून का अनुसरण करने और उनके विचारों को आकार देने के लिए प्रेरित किया।

भास्कर ने बाल्को को आईआईएम के उनके द्वारा दिए गए समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और अटलनगर में आईआईएम के नए परिसर का समर्थन करने में बाल्को की भूमिका को सराहा। उन्होंने इतिहास पर इतराने के बजाए एक साथ नया भविष्य और नया वैभव बनाने पर ध्यान केंद्रित किया।

रुकावटों पर नहीं, अवसर पर दें ध्यान

भास्कर ने कहा, जिदंगी में आपको कई तरह की रुकावटें मिलेंगी, लेकिन आपको हमेशा अपने लक्ष्य की ओर देखना है। हमेशा अवसर पर ध्यान देना है। इसके लिए आपका नॉलेज की पतवार का काम करेगा। ज्ञान का भंडार विघटनकारी तूफानों से निकलकर नए अवसर पैदा करने पर राय रखी और उस प्रभाव के लिएए आईआईएम एक अकादमिक अभिविन्यास आयोजित कर रहा है ताकि यह भविष्य के अधिनायकों को इस अस्थिर, विघटनकारी और परिवर्तनकारी दुनिया में सफल होने के लिए तैयार कर सके।

डिजिटल स्टूडेंट मैग्जीन

प्रेजेंटेशन के बाद स्टूडेंट मैगजीन इफुलजेंस 5.0 लॉन्च की गई। इस वर्ष की पत्रिका का विषय स्वदेशीकरण था और देश के कुछ प्रतिभाशाली दिमागों ने अपने दृष्टिकोण की पेशकश की कि कैसे स्वदेशीकरण दुनिया को आगे बढ़ाएगा। इसके अलावा एक बेहतर पर्यावरण जागरूक संस्थान बनने के अपने प्रयास में, पारंपरिक कागज़ी प्रारूप के स्थान पर आधिकारिक छात्र पत्रिका को केवल एक डिजिटल प्रारूप में प्रस्तुत किया गया।

Patrika, 29th June 2019p.12.jpg